लोकल प्याज हो रही विदेशों में निर्यात

उत्पादन अधिक होने से दाम गिरे, 5 से 6 रु. प्रतिकिलो हो रही बिक्री

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- ग्रीष्मकाल के सीजन में धूप से बचने के लिए प्याज को संजीवनी माना गया है. आयुर्वेद में प्याज को गुणकारी औषध के रूप में देखा जाता है. इन दिनों स्थानीय प्याज का निर्यात गुजरात के माध्यम से विदेशों में हो रहा है. इस बार प्याज की उपज अच्छी-खासी रहने से दाम लुढ़के हैं. सर्वसामान्य के पहुंच तक प्याज दिखाई दे रहा है, जबकि उपज अधिक होने के कारण किसानों को प्याज की लागत मूल्य तक नहीं मिल रही है. किसान चिंतित दिखाई दे रहे हैं. मार्केट में इन दिनों अकोट अंजनगांव, ब्राह्मणवाड़ा थड़ी, नेर से बड़े प्रमाण में कैश की आवक हो रही है. इस वर्ष उपज अच्छी रहने के कारण अन्य प्रांतों से प्याज की आवक कम हुई है. आमतौर पर गुजरात के भावनगर जिले के महुआ तहसील से शहर में प्याज की आवक होती थी. लेकिन इस बार परिस्थिति विपरीत है. लोकल में भरपूर पैदावार होने के कारण दूसरे प्रांतों से प्याज की आवक ना के बराबर दिखाई दे रही है. स्थानीय सब्जी विक्रेता के मुताबिक बाजार में इन दिनों 300 से 450 रु. प्रति क्विंटल प्याज की खरीदी होलसेल मार्केट में की जा रही है. रिटेल में 5 से 6 रु. किलो दाम में प्याज उपलब्ध है. निर्यात की बात करें तो स्थानीय लोकल प्याज को व्यापारी गुजरात भेजते हैं. गुजरात की फैक्ट्री में इन प्याजों को साफ कर पाउडर लगाकर विदेशों में निर्यात करते हैं.

आमतौर पर लोकल प्याज की आवक दशहरे तक होने का अनुमान व्यापारियों ने व्यक्त किया है.

किसानों पर आर्थिक बोझ

आमतौर पर किसी भी उपज की पैदावार अधिक होने पर उसके दाम में गिरावट होती है. मंडी में आवक अधिक रहने से दाम पर भी असर पड़ता है. एक दौर था जब प्याज ने गृहिणियों के आंसू निकाल दिए थे. 70-80 रु. प्रति किलो प्याज बिका था. सरकारी नीतियों के कारण यह दृश्य देखने को मिला था. विशेष यह कि उस दौरान बढ़े दाम का लाभ किसानों को बहुत कम मिला था. पुनः निर्यात तो किया ही जा रहा है. अगर यह निर्यात किसानों के माध्यम से होता तो किसान आर्थिक रूप में मजबूत होते और उनकी लागत मूल्य भी आसानी से उपलब्ध होती.

प्रति क्विंटल 900 रु. लागत खर्च

किसानों को प्याज फसल की बुआई व फसल को मार्केट में बिक्री हेतु लाने तक प्रति क्विंटल 900 रु. के करीब खर्च आता है. राष्ट्रीय फलोत्पादन संशोधन व विकास प्रतिष्ठान का ऐसा मानना है. 900 रु. खर्च कर 350 से 500 रु. में प्याज की बिक्री अर्थात 1 क्विंटल पर 400 से 550 रु. का नुकसान किसानों को सहना पड़ रहा है. आसमानी संकटों का सामना करने वाले किसानों को पैदावार अधिक होने पर भी आर्थिक अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है.

मराठी फिल्म के लिए 27 को ऑडिशन

विदर्भ के कलाकारों के लिए सुनहरा अवसर

अमरावती : प्रेसवार्ता में जानकारी देते सुरज खैरकर, मंगेश ठाकरे, जुनेद खान व अन्य.

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- व्यंकटेश फिल्म प्रोडक्शन की ओर से प्रेम एक टाइम पास फिल्म का निर्माण किया जा रहा है. जिसमें विदर्भ के कलाकारों को अवसर मिलेगा. इस उद्देश्य से शनिवार, 27 मई की सुबह 10 से रात 8 बजे तक राजकमल चौक स्थित टाऊन हॉल में ऑडिशन लिए जा रहे हैं. कलाकारों से अवसर का लाभ लेने का अनुरोध आयोजकों ने एक पत्रकार परिषद के माध्यम से किया है. उन्होंने बताया कि ऑडिशन निःशुल्क है, 15 साल के ऊपर के कलाकार इसमें सहभागी हो सकते हैं. ऑडिशन के लिए फॉर्म राजापेठ चौक स्थित अकोला अर्बन बैंक के पास व्यंकटेश फिल्म प्रोडक्शन ऑफिस में उपलब्ध हैं. सुबह 11 से 5 बजे तक फॉर्म मिलेंगे. इच्छुक कलाकारों से लाभ लेने का अनुरोध किया गया है.

फिल्म में 150 कलाकारों को अवसर मिलेगा. सभी लोकल कलाकारों को अवसर दिए जाने का मानस आयोजकों ने जताया है. पत्रकार परिषद में सूरज खैरकर, अमित ढाणके, मंगेश ठाकरे, चेतन कुरलकर, जुनेद खान, पदम नाहार, पोकले सर, हेमंत ठवली आदि उपस्थित थे.

शहर के युवाओं को अभिनय क्षेत्र में मौका देने तथा फिल्मी क्षेत्र में उनका सहभाग कराने के उद्देश्य से विदर्भ के कलाकारों को यह मौका उपलब्ध कराया जा रहा है. ऐसे में शहर के प्रतिभावानों को मंच उपलब्ध होने की बात आयोजकों ने कही है.

लक्ष्मीबाई इंगोले काव्य पुरस्कार का वितरण 28 को

अमरावती- प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लक्ष्मीबाई इंगोले वात्सल्य फाउंडेशन की ओर से राज्य के एक कवि का सम्मान लक्ष्मीबाई इंगोले काव्य पुरस्कार प्रदान कर किया जाता है. इस वर्ष सुविख्यात आंबेडकरवादी कवि अनिल कांबले को उक्त पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा.स्थानीय राजकमल चौक समीप स्थित टाउन हॉल में शाम 6 बजे पुरस्कार वितरण समारोह होगा. शिवा इंगोले की मातोश्री लक्ष्मीबाई इंगोले की स्मृति में उक्त पुरस्कार वितरित किया जाता है. पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान डॉ. प्रकाश खरात का 'आंबेडकर विचार दर्शन व आज का वास्तव' विषय पर व्याख्यान होगा. समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में सुविख्यात चित्रकार श्रीधर अंभोरे उपस्थित रहेंगे.

2.31 लाख छात्रों को मिलेंगी किताबें

1.98 करोड़ का खर्च, स्कूल के पहले दिन होगा वितरण

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- सर्वशिक्षा अभियान अंतर्गत छात्रों को हर साल निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की जाती है. इस वर्ष भी पहली से 8वीं कक्षा के 2 लाख 31 हजार 489 छात्रों को स्कूल शुरू होने के पहले ही दिन किताबें प्रदान की जाएंगी. पाठ्यपुस्तक मंडल द्वारा जिले में पाठ्यपुस्तकें आनी शुरू हो गई हैं. जिन्हें तहसील निहाय शीघ्र ही वितरित किया जाएगा. छात्रों को स्कूल के पहले ही दिन किताबें वितरित करने का नियोजन किया जा रहा है.

सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत वर्ष 2017-18 शिक्षा सत्र के लिए जिप शाला, सरकारी आश्रमशाला, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आने वाली शाला व निजी अनुदानित शाला में पढ़ने वाले कक्षा पहली से आठवीं के पात्र छात्रों को पहले ही दिन किताबें वितरित की जाएंगी. जून में स्कूलें शुरू होंगी उसके पूर्व ही किताबें शहर में आना शुरू हो गई हैं. हर तहसील के पंचायत समिति स्तर पर किताबें उपलब्ध करवाई जाएंगी.

स्कूल शुरू होने के पूर्व संबंधितों को किताबें पहुंचाए जाने का विश्वास है. अब तक अचलपुर, धामणगांव रेलवे, चांदूर रेलवे, अमरावती, अंजनगांव सुर्जी, वरुड़ तहसील में किताबें पहुंचने की जानकारी है.

गत दो वर्ष छात्रों को स्वाध्याय पुस्तिका वितरित की गई थी. इस वर्ष अभी तक स्वाध्याय पुस्तिका न पहुंचने से छात्रों को मिलेगी भी या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं.

एक सप्ताह में वितरण होगा पूर्ण

जिले के 6 तहसीलों में पाठ्यपुस्तकें पहुंचाई गई हैं. आगामी एक सप्तह में शेष सभी तहसीलों में पाठ्यपुस्तकों का वितरण पूर्ण होगा. स्कूल के पहले ही दिन पाठ्यपुस्तकें छात्रों को वितरित की जाएंगी.

किशोर पुरी, शिक्षा विस्तार अधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान

खनिज विकास निधि से शिक्षा व स्वच्छता कार्य करें

पालकमंत्री प्रवीण पोटे का निर्देश, जिलाधीश कार्यालय में हुई बैठक

अमरावती : बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते पालकमंत्री पोटे.

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- जिले के खनिज विकास प्रतिष्ठान के माध्यम से खनिज बाधित क्षेत्र में विकास कार्य करते समय बुनियादी सुविधाओं की तुलना में सामाजिक क्षेत्र के शिक्षा, पीने के पानी व सफाई कार्य को प्रधानता दें, ऐसे निर्देश जिले के पालकमंत्री प्रवीण पोटे ने अधिकारियों को दिए हैं.

स्थानीय जिलाधीश कार्यालय में जिला खनिज प्रतिष्ठान ट्रस्ट कार्यकारी परिषद की बैठक आयोजित की गई थी. इस बैठक में पालकमंत्री प्रवीण पोटे ने अधिकारियों को सूचित करते हुए कहा कि दर्जेदार शिक्षा से ही लोगों का विकास किया जा सकता है. इसके लिए स्कूलों के महत्व का निर्माण, स्वच्छता गृह, शुद्ध पेयजल, अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण आदि सुविधाओं के कार्य प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र योजना से प्रधानता से करें. शालाओं के निर्माण कार्य संबंधित प्रस्ताव शिक्षाधिकारी से मंगाएं, ऐसी सूचना भी उन्होंने दी. शालाओं में स्वच्छता गृह न रहने से स्वास्थ्य के संबंध में शिकायत आती है. खासकर लड़कियों की शालाओं में स्वच्छता गृह रहना ही चाहिए. शालाओं के कार्य को प्रधानता देकर उन्हें पूर्ण करें. शालाओं की कला कक्षा की दीवारों पर कलात्मक व शिक्षा से संबंधित जानकारी देने पर बल दें. मुख्यमंत्री के निर्णयानुसार दिसंबर 2018 तक राज्य की सभी शालाएं डिजिटल करना हैं. इस क्रम में जिले के खनिज बाधित क्षेत्र की शालाओं में स्मार्ट बोर्ड, ऑनलाइन शिक्षा तथा लायब्रेरी, सुसज्ज प्रयोगशाला रहनी चाहिए. इसके अलावा गट कृषि प्रकल्प प्रायोगिक तत्व पर शुरू कर उसे सफल बनाने की दिशा में प्रयत्न करें, ऐसी सलाह उन्होंने दी. बैठक में विधायक रमेश बुंदिले, जिला खनिज कर्म अधिकारी डॉ. शिरीष नाईक व खनिज कार्यकारी परिषद के सदस्य उपस्थित थे.

1811 गांव खनिज बाधित

बैठक में जिलाधीश अभिजीत बांगर ने बताया कि जिले के 1811 गांव खनिज बाधित क्षेत्र में शामिल हैं. खनिज बाधित क्षेत्र के गांवों के विकास हेतु 1 सितंबर 2016 के निर्णय अनुसार जिलास्तर पर जिला खनिज प्रतिष्ठान की स्थापना की गई. अप्रैल 2017 तक जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि में 1 करोड़ 68 हजार रु. की निधि थी. जिसमें से प्रशासकीय कार्य हेतु 5 लाख निधि से 2 तृतीयांश निधि प्रत्यक्ष बाधित क्षेत्र के लिए 67 लाख निधि से मूलभूत सुविधा हेतु 27 लाख व शिक्षा स्वास्थ्य, महिला व बाल कल्याण, शुद्ध पेयजल व सामाजिक क्षेत्र हेतु 40 लाख की तरतूद की गई है.

प्लेजर की डिग्गी से 50 हजार उड़ाए

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- राधा नगर निवासी प्रवीण सुभाष घोंगडे (37) की प्लेजर दुपहिया एमएच-27/एएल-9835 की डिग्गी से चोरों ने 50 हजार रुपए कैश चुरा ली. घोंगडे ने मंगलवार की दोपहर 1 बजे के दौरान गाड़गे नगर स्थित बैंक ऑफ इंडिया के सामने गाड़ी खड़ी की थी. इसके पूर्व पंजाबराव देशमुख बैंक से 40 हजार व महाराष्ट्र बैंक से 10 हजार रुपए निकालकर डिग्गी में रखे थे. पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है. हवलदार विनायक धुरंधर मामले की जांच कर रहे हैं.

पुनर्वास का दूसरा व तीसरा हफ्ता मिले

रेवसा सुलतानपुर वासियों की मांग

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती - प्रशासन ने रेवसा सुलतानपुर गांव का पुनर्वास किया है. ग्रामवासियों को पहली किश्त के रूप में 20 हजार रुपए दिए हैं, लेकिन दूसरे तथा तीसरे चरण के पुनर्वास अनुदान की किश्त अब तक नहीं मिल पाई है, यह किश्त तत्काल उपलब्ध करवाने नागरिकों ने जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा. एक प्रति पालकमंत्री को भी सौंपी गई.रेवसा गांव में अब तक निर्माण कार्य निधि के अभाव में प्रलंबित है. शासन ने तथा जिला प्रशासन ने किश्त नहीं देने से नागरिकों के मकान निर्माणाधीन हैं. एक सप्ताह पश्चात मानसून प्रारंभ होगा. ऐसे में ग्रामवासियों को शेष निधि तत्काल उपलब्ध करवाने की मांग रामकृष्ण इंगोले के माध्यम से ग्रामवासियों ने की.

ज्ञापन सौंपते समय शेख नाजिर, अशोक दुबे, लक्ष्मीबाई यादव, प्रमोद पारिसे, अरुण जोधले, रामदास बनसोड़, शादिक शाह, विजय अंबाडकर के साथ नागरिक शामिल थे.

अमरावती : कलेक्ट्रेट पर उपस्थित ग्रामवासी.

ईंट भट्टी के खिलाफ कार्रवाई करने से तहसीलदार ने नकारा

पुलिस विभाग के मत्थे मढ़ा

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- समीपस्थ वड़द परिसर में सर्वे क्र. 29 में गैरकानूनी तरीके से शुरू ईंट भट्टियों पर कार्रवाई करने से तहसीलदार मालठाणे ने इंकार करते हुए कहा कि जिनकी मिलकियत की जगह हैं, वे पुलिस विभाग से कार्रवाई कराएं. हम क्यों कार्रवाई करें? तहसीलदार के इस जवाब से अवैध ईंट भट्टी के खिलाफ कार्रवाई कौन करेगा? ऐसा प्रश्न निर्माण हुआ है.

कोंडेश्वर समीप वड़द परिसर में पुलिस विभाग के लिए मैदान आरक्षित है. इस आरक्षित मैदान पर कई ईंट भट्टियां गैर कानूनी तरीके से शुरू हैं. इन ईंट भट्टियों

के धारकों की ओर से नियमानुसार राजस्व विभाग को रॉयल्टी नहीं दी जा रही है. जिससे लाखों रुपए का राजस्व डूब रहा है. कुछ ईंट भट्टीधारकों से राजस्व विभाग के अधिकारी पैसे ले रहे हैं. लेकिन वो शासन की तिजोरी में जमा नहीं हो रहा. बडनेरा, कोंडेश्वर परिसर में करीब 200 अवैध ईंटभट्टी शुरू हैं. इन ईंट भट्टियों से निकलने वाले धुएं के कारण क्षेत्र में बड़े प्रमाण में प्रदूषण फैल रहा है. प्रदूषण विभाग का भी इस ओर दुर्लक्ष है. प्रदूषण के कारण परिसर में स्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर परिणाम हो रहा है.

वन, राजस्व व बिजली विभाग का अभय

गैरकानूनी तरीके से चलाए जा रहे ईंट भट्टी धारकों को वन विभाग राजस्व व बिजली वितरण कंपनी का अभय है. ईंट भट्टी मालक वन विभाग की जगह से मिट्टी, मुरुम व लकड़ी चुरा कर लाते हैं. राजस्व विभाग की जगह भट्टियों के लिए उपलब्ध है. बिजली वितरण कंपनी भी उन्हें मुफ्त में दे रही है. इन तीनों विभागों की मदद से ईंट भट्टियां शुरू हैं.

विवकर

महासचिव बने लक्ष्मीनारायण यादव

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- आंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएटस अमरावती जिला व शहर के महासचिव पद पर लक्ष्मीनारायण यादव को नियुक्त किया है. उनकी नियुक्ति पर अशोक पाटिल गायगोले, रमेश खोडे, दिनेश वंदे, मारोती मोहोड, सुरेश बोरकर, मंजीश खोडे, सतिश मंत्री आदि पदाधिकारियों सहित गौरव यादव, विशाल बोराटने, आकाश गुल्हाने, आकाश खलेलकर, दर्शन यादव, शुभव यादव, नंदकिशोर यादव, रविंद्र धानोरकर, उपेंद्र पांडे, चिंटू शर्मा आदि ने अभिनंदन किया है.

प्रा. डॉ. सुरेश कविटकर को स्वर्ण पदक

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- विद्याभारती महाविद्यालय के एमबीए विभाग प्रमुख डॉ. सुरेश कविटकर को ग्लोबल इकोनॉमिक प्रोग्रेस एंड रिसर्च एसोसिएटस, नई दिल्ली की ओर से महिला दिन निमित्त बैंगलोर में आयोजित राष्ट्रीय परिषद में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्वर्ण पदके से सम्मानित किया गया. डॉ. सुरेश कविटकर ने 20 साल एअर क्रॉफ्ट मैन्टनेंस इंजीनियर पद पर इंडियन एअर फोर्स में सेवा दी है. पश्चात विद्याभारती महाविद्यालय के शैक्षणिक क्षेत्र में सेवा दे रहे है. साथ ही वे गाडगेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय के पीएडी गाईड भी है. उनकी सफलता पर संस्था अध्यक्ष रावसाहब शेखावत, प्राचार्य डॉ. एफ. सी. रघुवंशी व एमबीए विभाग संचालक डॉ. पी.डब्लू काले ने अभिनंदन किया है. वे अपनी सफलता का श्रेय भारतीय वायुसेना व विद्याभारती तथा परिवार को देते है.

सत्यपाल महाराज पर हुए हमले का विरोध

प्रतिनिधि, 25 मई

अमरावती- महाराष्ट्र के ज्येष्ठ प्रबोधनकार खंजरीवादक सत्यपाल महाराज चिचोलकर पर मुंबई में हुए हमले का वलगांववासी व कर्मयोगी गाडगेबाबा स्मारक समिति के पदाधिकारियों ने तीव्र निषेध व्यक्त किया है.

पुरोगामी विचारों के फुले, आंबेडकर, शाहू, संत तुकाराम, तुकडोजी महाराज, गाडगेबाबा, भाऊसाहब देशमुख आदि के विचारों को सत्यपाल महाराज अपने प्रबोधन के माध्यम से जीवित रखने का प्रयास करते है. उन पर हुए हमले का तीव्र विरोध कर आरोपी पर कठोर कार्रवाई करने की मांग के साथ आंदोलन करने की चेतावनी गाडगेबाबा स्मारक समिति अध्यक्ष प्रकाश बनारसे ने दी है.

अनमोल वचन

मेहनत एक ऐसी सुनहरी चाबी है, जो बंद भाग्य के दरवाजे भी खोल देती है.

डॉ. अशोककुमार राठी, पूजा कैम्प, अमरावती
मो. 9860945045

दिनदर्शिका

- **मंत्री गिरीश बापट शहर में**
  स्थान : शासकीय विश्रामगृह
  समय : सुबह 7.30 बजे
- **जीडीसी एंड ए बोर्ड की सहकार - लेखा पदविका परीक्षा**
  स्थान : गणेशदास राठी विद्यालय, पंचवटी चौक
- **विदर्भ वनवासी कल्याण आश्रम का सांस्कृतिक कार्यक्रम**
  स्थान : नरसम्मा महाविद्यालय, किरण नगर
  समय : शाम 6 बजे
- **हेल्थ चेकअप कैंप**
  स्थान : डॉ. श्री गोपाल राठी पारश्री अस्पताल, खापर्डे बगीचा
  समय : सुबह 8.30 बजे
- **राजस्थानी महिला मंडल का वक्तृत्व पर प्रभूत्व कार्यशाला**
  स्थान : श्रीगोपाल अपार्टमेंट, चौबलवान
  समय : सुबह 8 बजे

अक्स अमरावती का

निःशुल्क टीकाकरण केंद्र का शुभारंभ

डॉ. हेडगेवार हॉस्पिटल व रुग्णसेवा केंद्र की ओर से निःशुल्क टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन नगरसेविका सुनीता भेले, पूर्व नगरसेविका किरण गुलवाडे, जनकल्याण सेवा संस्था के गोविंद जोग, की उपस्थिति में हुआ.

पूर्व नगरसेविका प्रभाताई का जन्मदिन

सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व नगरसेविका प्रभाताई आवारे का 64 वां जन्मदिन सीतारामदास बाबा प्याऊ में चुन्नीलाल मंत्री के हाथों शाल-पुस्तक व पुष्पगुच्छ देकर मनाया. प्रा. डॉ. सुभाष गवई, रमेश काटोलकरे, उपस्थित थे.

कृष्णरेखा पंचकर्म की वेबसाइट लोकार्पित

साई नगर की कृष्णरेखा आयुर्वेद योग एंड पंचकर्म रिसर्च सेंटर के कार्यों की जानकारी का प्रचार-प्रसार करने हेतु स्थायी समिति सभापति तुषार भारतीय के हाथों वेबसाइट का लोकार्पण किया गया. नगरसेवक चेतन गावंडे,उपस्थित थे.

कामेडियन एहसान कुरैशी से भेंट

प्रसिद्ध कामेडियन एवं लाफ्टर चैलेंज फेम एहसान कुरैशी के शहरागमन पर स्थानीय कवि मनोज दोन्ती, मनोज चौधरी व सामाजिक कार्यकर्ता शंकर भिवगड़े ने होटल ग्रैंड महफिल में उनसे मुलाकात की.